ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक शालाओं के विद्यार्थियों द्वारा उपयोग की जाने वाली शैक्षिक सामग्री तुलनात्मक अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
2006-2007

शोधकर्ता
आलोक दुबे

मार्गदर्शक
डॉ. बी. रमेश बाबू
प्रवाचक शिक्षा

सह-मार्गदर्शक
डॉ. साबू. के. सी.
प्रवक्ता शिक्षा (तदर्थ)

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(रा. शै. अनु. और प्रशि. परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक शालाओं के विद्यार्थियों द्वारा उपयोग की जाने वाली शैक्षिक सामग्री : तुलनात्मक अध्ययन

D- 241

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

की

एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि

की

आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2006-2007

शोधकर्ता

आलोक दुबे

मार्गदर्शक

डॉ. बी. रमेश बाबू

प्रवाचक शिक्षा

सह-मार्गदर्शक

डॉ. साबू. के. सी.

प्रवक्ता शिक्षा (तदर्थ)

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

(रा. शै. अनु. और प्रशि. परिषद्)

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

//घोषणा पत्र//

मैं आलोक दुबे छात्र एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि -"ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक शालाओं के विद्यार्थियों द्वारा उपयोग की जाने वाली शैक्षिक सामग्री : तुलनात्मक अध्ययन" नामक विषय पर लघुशोध प्रबन्ध 2006-2007 में डॉ. बी. रमेश बाबू (प्रवाचक शिक्षा) और डॉ साबू. के. सी. (प्रवक्ता शिक्षा) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबन्ध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2006-2007 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिये गये आंकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थान : भोपाल

दिनांक :- 13/04/07

-शोधकर्ता

आलोक दुबे
एम. एड़. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स,
भोपाल (म.प्र.)

//प्रमाण-पत्र//

प्रमाणित किया जाता है कि आलोक दुबे जो कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत हैं, ने एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघुशोध प्रबंध कार्य "ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक शालाओं के विद्यार्थियों द्वारा उपयोग की जाने वाली शैक्षिक सामग्रीः तुलनात्मक अध्ययन।"

मेरे मार्गदर्शन में विधिवत पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध कार्य पूर्णतया मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की सत्र 2006-07 की एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा का आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम है।

स्थान :- भोपाल

दिनांक 13-4-2007

मार्गदर्शक

डॉ. बी. रमेश बाबू
प्रवाचक शिक्षा,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

सह-मार्गदर्शक

डॉ. साबू के. सी.
प्रवक्ता शिक्षा (तदर्थ),
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

//आभार ज्ञापन//

प्रस्तुत लघु शोध संबंधी कार्य के निर्देशन का संपूर्ण श्रेय श्रद्धेय डॉ. बी. रमेश बाबू (प्रवाचक शिक्षा) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को है, जिनके निरंतर आत्मीयता और वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन में यह शोधकार्य पूर्ण हो सका है।

मैं परम् आदरणीय प्राचार्य प्रो. ए. बी. सक्सेना, विभागाध्यक्ष, प्रो. जी. एन. पी. श्रीवास्तव के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिन्होंने उचित वातावरण एवं सुविधायें देकर मेरे शोध कार्य को सुगम बनाया।

मैं डॉ साबू. के. सी. (प्रवक्ता शिक्षा) का भी हृदय से आभारी हूं, जिन्होने सहमार्गदर्शन प्रदान कर मेरे शोध कार्य का मार्ग प्रशस्त किया। मैं डॉ. एस. पी. गुप्ता (प्रवाचक शिक्षा) का भी आभारी हूं, जिन्होने मेरे शोध कार्य की सम्पूर्णता में सहायता की।

मैं डॉ के. के. खरे, डॉ . यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. सुनीति खरे, एवं समस्त गुरूजनों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से शोधकार्य की सम्पन्नता में सहयोग दिया।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री. पी. के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूं।

मैं अपने समस्त एम. एड. के सहपाठियों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मेरे शोध कार्य को संपन्न करने में सहयोग किया।

मैं ग्वालियर जिले के शहरी एवं ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के उन सभी शिक्षकों का आभारी हूं, जिन्होंने प्रदत्त संकलन में मुझे पूर्ण सहयोग दिया तथा मैं संगणक मुद्रक श्री आशीष त्रिपाठी एवं श्री राजकुमार गौतम का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मेरे लघुशोध प्रबंध कार्य को संगणक द्वारा मुद्रित किया।

मैं अपने परिवार के सदस्यों और माता-पिता का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होने मेरे अध्ययन में महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन, मन, धन से सहयोग व आर्शीवाद दिया है।

स्थान :- भोपाल
दिनांक 19/04/07

शोधकर्ता
आलोक दुबे
एम.एड. (प्रा. शिक्षा)

अनुक्रमणिका

अध्याय	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
प्रथम	**शोध परिचय**	**1-14**
1.	1.1 प्रस्तावना	
	1.1.1 भारतीय समाज में शैक्षिक अवसरों की विषमताओं के कारण	
	1.1.2 शिक्षा के अवसरों के समकरण की ओर	
	1.1.3 पदों की संकल्पना एवं परिभाषा	
	1.2 शैक्षिक सामग्री का प्राथमिक शिक्षा में स्थान	
	1.3 विद्यार्थी के अधिगम में शैक्षिक सामग्री का महत्व	
	1.4 शैक्षिक सामग्री की विशेषतायें	
	1.5 भार रहित अधिगम	
	1.6 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	
	1.7 समस्या कथन	
	1.8 शोध के उद्देश्य	
	1.9 परिकल्पना	
	1.10 सीमांकन	
द्वितीय	**संबंधित शोध साहित्य का पुनरावलोकन**	**15-20**
2	2.1 संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
	2.2 शोधकार्य संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	

तृतीय	**शोध प्रविधि**	21-27
3	3.1 सारणी	
	3.2 उपकरण एवं तकनीकी	
	3.3 प्रदत्तों का संकलन	
	3.4 प्रदत्तों का सारणीयन	
चतुर्थ	**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या**	28-36
4	4.1 परिकल्पनाओं का विश्लेषण 4.1.1 परिकल्पना प्रथम 4.1.2 परिकल्पना द्वितीय 4.1.3 परिकल्पना तृतीय	
पंचम	**शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव**	37-41
5	5.1 शोध सारांश 5.2 निष्कर्ष 5.3 शैक्षिक उपयोगिता 5.4 सुझाव 5.5 भावी शोध हेतु सुझाव	
	❖ संदर्भ ग्रंथ सूची	42
	❖ परिशिष्ट	i-ii